वार्तालाप 567 डेन्टल 15.8.08
Disc.CD NO.567, dated 15.8.08 at Dental
Extracts-Part-1

समय 5.06–7.32
जिज्ञासुः बाबा भक्तिमार्ग में जो मीराबाई है वो क्या जगदम्बा का पार्टधारी मीराबाई बनती है?
बाबाः मीर कहते हैं शहजादे को, और मीरा कहते हैं शहजादी को। ब्राह्मणों की दुनियां में रुद्रमाला में शहजादा कौन है, और शहजादी कौन है?
दूसरा जिज्ञासुः ब्रह्मा–सरस्वती।
बाबाः ब्रह्मा? ब्राह्मणों की दुनियां में प्रैक्टिकल में शहजादा कौन बनता है, और शहजादी कौन बनता है? नारायण पहले शहजादा बनता है, और?
जिज्ञासुः लक्ष्मी।
बाबाः लक्ष्मी के लिए नहीं कहेंगे, जगदम्बा के लिए कहेंगे। क्योंकि फुल बेगर टू फुल प्रिन्स। लक्ष्मी सिर्फ देवताओं के ऊपर राजाई करेगी, देवात्माओं का जो संगठन है उसकी पालना करेगी या असुरों की भी पालना करेगी?
जिज्ञासुः देवात्माओं की।
बाबाः और विश्व की आत्माओं के ऊपर पालना कौन करेगी? जगदम्बा सारे विश्व के ऊपर पालना करेगी। तो जगदम्बा और जगतपिता ये दोनों ही पार्ट विषपाई पार्ट हैं। इनको सारी जगत की ग्लानी भी सहन करनी पड़ती है, एक कान से सुना, दूसरे कान से निकाला। तो जगदम्बा वो महाकाली का पार्ट बजाती है। और जो जगतपिता है वो महाकाल का पार्ट बजाता है। इसलिए एक है मीर साहब, और दूसरी है मीरा। मीरा के लिए गायन है क्या? विष का प्याला पीया। भेजा किसने? राणा ने भेजा तो उन्होंने हँस हँस के पीया। हमारा यही पार्ट है।

Time: 5.06-7.32
Student: Baba, is the part of Meerabai in the path of *bhakti* played by Jagdamba? Does she become Meerabai?
Baba: A prince is called meer and a princess is called meera. In the world of the Brahmins, in the rosary of Rudra (*Rudramala*) who is the prince and who is the princess?
Another Student: Brahma-Saraswati.
Baba: Brahma? Who becomes a prince in the world of Brahmins in practice and who becomes a princess? Narayan becomes a prince first. And?
Student: Laxmi.
Baba: It will not be said for Lakshmi; it will be said for Jagdamba because [it is said] '*full beggar to full prince*'. Will Lakshmi rule just over the deities, will she sustain the gathering of the deity souls or will she sustain the demons as well?
Students: the deity souls.
Baba: And who will sustain the souls of the world? Jagdamba will sustain the entire world. So, both, the part of Jagdamba as well as Jagatpita are the parts of consuming poison. They have to tolerate the defamation by the entire world as well; they listen to it through one ear and leave it out through the other. So, Jagdamba plays the part of Mahakali and Jagatpita plays the part of Mahakal. This is why one is Meer Sahib and the other is Meera. It is famous about Meera. What? She drank a cup of poison. Who sent it? Rana (the king) sent it; so she consumed it with a smile. [She thought]: This itself is my part.

समयः 7.39–8.46
जिज्ञासुः बाबा, मीराबाई के गुरु कहते हैं गुरु रविदास। वो रविदास वाली जो आत्मा है ऊपर से आती है या पहले से ही जो देवी देवता धर्म में है उसमें से होती है?
बाबाः मीरा ऊपर से आई थी या पहले से ही थी?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः पहले से ही थी।
बाबाः तो फिर?
जिज्ञासुः रामवाली आत्मा है?
बाबाः कौन?
जिज्ञासुः रविदास।
बाबाः रामवाली आत्मा? फिर राणा कौन है? ये जो बड़े2 संत हुये हैं, जैसे तुलसीदास है, सूरदास है, रविदास है, रैदास है ये वास्तव में कहाँ की आत्मायें है? इन्होंने संगमयुग में भी बड़ी तपस्या किया है।

Time: 7.39-8.46
Student: Baba, Guru Ravidas is said to be Meerabai's guru. Does the soul of Ravidas come from above or does it come from the souls of the Deity religion which already exists?
Baba: Did Meera come from above or did she already exist?
Student: She already existed.
Baba: So, then?
Student: Is it the soul of Ram?
Baba: Who?
Student: Ravidas.
Baba: The soul of Ram? Then who is the Rana (the king)? These great saints like Tulsidas, Surdas, Ravidas, Raidas, who existed in the past are actually souls of which time? They have also done great *tapasya* in the Confluence Age.

समय 8.53 –09.15
जिज्ञासु : श्रीराम... इन लोगों की संस्था है इनका क्या रोल है?
बाबाः ये तो मठ–पंथ जितने भी चले हैं और इनको चलाने वाले जो मुखिया हैं वो तो डायरेक्ट ऊपर से आने वाली आत्मायें हैं। एक नया मठ–पंथ शुरु कर देते हैं और बहुत से लोग उनके फॉलोअर्स बन जाते हैं।

Time: 8.53-09.15
Student: What is the role of the followers of the institution of Shri Ram...?
Baba: All these *math-panth* (sects) which have started and the chiefs who control them are souls which come directly from above. They start a new *math-panth* and many people become their followers.

समयः 09.18–9.55
जिज्ञासुः बाबा, सूरदास के गुरु वल्लभाचारी हैं ना! जो वल्लभाचारी की आत्मा है वो राम वाली आत्मा है?
बाबाः ये बिना प्रूफ और प्रमाण के कैसे कहा जाए? वल्लभ कहा जाता है पति को। गोपीवल्लभ, गोपियों के पति। तो गोपियों का पति कौन है? कृष्ण।

Time: 09.18-9.55
Student: Baba, the guru of Surdas is Vallabhacharya, isn't he? Is the soul of Vallabhacharya the soul of Ram?
Baba: How can we say this without proof and evidence? A husband is called *vallabh*. *Gopivallabh*, husband of the *gopis*[1]. So, who is the husband of the *gopis*? Krishna.

[1] The herd girls

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय 11.54 – 13.13
जिज्ञासुः बाबा, विक्रम संवत जो चलता है 2065 दुनियांवी हिसाब से। तो विक्रमादित्य के राज्याभिषेक से गणणा कि जाती है। तो ऐसा है?
बाबाः ये जो भी संवत चल रहे हैं चाहे विक्रम संवत हो, चाहे शक संवत हो, चाहे ईस्वी संवत हो, ये बहुत लंबे समय के बाद उनका काल्कुलेशन करना शुरु किया है। एक्युरेट किसी को पता नहीं है। एक्युरेट संवत तो बाप ही आकर के बताते हैं। काईस्ट में भी गड़बड़ है। क्रिश्चियन्स के संवत में भी गड़बड़ है। (किसीने कुछ कहा।) बाबाः हाँ जी, हाँ जी। (किसीने कुछ कहाः ये 57 वर्ष का अंतर करते हैं।) इसमें अंतर पड़ गया। संवत 1.1.1 जो शुरु होगा वो ही असली संवत है। लेकिन वो दुनियां ही खतम हो जाती है, किसी को पता ही नहीं रहता।

Time: 11.54 - 13.13
Student: Baba, as per the Vikram Era it is 2065 from worldly point of view. So, is it counted from the coronation of Vikramaditya?
Baba: All these eras which are going on, whether it is the Vikram Era, whether it is the Saka Era, whether it is the Christian Era, their *calculation* has begun after a very long time. Nobody knows it accurately. It is only the Father who comes and tells [us] the accurate era. There is mistake in the Christian Era as well. (Someone said something.) Yes. (Someone said: there is a difference of 57 years.) There is a difference in this. The era that will begin from 1.1.1 is the accurate era. But [at that time] the world itself is destroyed. Nobody knows about it at all.

समय 14.52 – 15.56
जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोलते हैं मैं सृष्टि का बीजरुप हूँ, ये प्रजापिता के लिए लागू होगा, या शिवबाप के लागू होगा?
बाबाः सृष्टि का बीज जैसा होगा, वैसा ही झाड़ होगा ना। बीज साकार है या निराकार?
जिज्ञासुः साकार।
बाबाः तो झाड़ भी साकार होगा। तो कौन हुआ? शिव को कहें या प्रजापिता को कहें मनुष्य सृष्टि का बीज?
जिज्ञासुः उस टाइम बोलते हैं तो शिव बाप ही हैं ना।
बाबाः शिवबाप? शिव बाप बीज है? मुरली में कहीं बोला है कि शिव बाप जो है वो मनुष्य सृष्टि का बीज है? ऐसा एक भी वाक्य नहीं आया होगा।
जिज्ञासुः मैं मनुष्य सृष्टि का बीज...।
बाबाः मैं मनुष्य सृष्टि का बीज हूँ, जब बोला गया है तो वो निराकार प्रवेश करके साकार रुप में बोल रहा है। मैं मनुष्य सृष्टि...। क्या प्रवेश करके ब्रह्मा की सोल इन्टरफेयर करके नहीं बोलती है?
जिज्ञासुः बोलती है।
बाबाः हाँ।

Time: 14.52 -15.56
Student: Baba, it is said in the murli: I am the seed form of the world; will this apply to Prajapita or to the Father Shiva?
Baba: As is the seed of the world, so shall be the tree, won't it? Is the seed corporeal or incorporeal? So, the tree will also be corporeal. So, who is it? Is it Shiva or is it Prajapita? The seed of the human world?
Student: He speaks at that time; so, it is the Father Shiva Himself, isn't He?
Baba: The Father Shiva? Is the Father Shiva the seed? Has it been said in the murli anywhere that the Father Shiva is the seed of the human world? There must not be even a single sentence like this.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: [It is said:] I am the seed of human world…
Baba: When it is said: 'I am the seed of the human world', then it is the incorporeal one who is speaking in the corporeal form after entering. I human world's… Doesn't the soul of Brahma enter and interfere in speech?
Student: It does.
Baba: Yes. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समय 20.36–22.53
जिज्ञासुः बाबा, राजा हरिश्चन्द्र के साथ तारा माता को दिखाई है वो बड़ी मम्मी है, या छोटी मम्मी?
बाबाः मुसलमानों में झण्डा हो, चाहे नोट हो, चाहे स्टैम्प पेपर हो कौनसा निशान दिखाते हैं? चन्द्रमा को दिखाते हैं, और तारा को दिखाते हैं। और बड़ी मम्मी का पार्ट जगदम्बा का पार्ट है। जगदम्बा ही महाकाली भी बनती है। जब महाकाली बनती है तो मस्तक पर क्या दिखाते हैं? चन्द्रमा दिखाते हैं। तो महाकाली जो अपना पार्ट बजाती है वो स्वधर्मी आत्माओं के द्वारा बजाती है विनाश का पार्ट? या विधर्मी आत्माओं के द्वारा बजाती है? तो इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन आदि ये सब क्या हो गये? विधर्मी आत्मायें हो गईं। इसलिए उन2 धर्मों में वो सितारे को विशेष महत्व देते हैं। एक स्टार दिखाते हैं। ये राजा सत्य हरिश्चन्द्र की जो कथा है कौनसी युग की है? सतयुग आदि में राजा हरिश्चन्द्र का राज्य माना जाता है शास्त्रों में। सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र। उसका सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र नाम दे दो और चाहे सत्यनारायण की कथा नाम दे दो। तो उसके साथ देने वाले का नाम जो विशेष सितारा है उसका नाम दिया है तारामति। किसका पार्ट हुआ? बड़ी माँ का पार्ट हुआ।

Time: 20.36-22.53
Student: Baba, mother Tara has been shown along with King Harishchandra; is she the senior mother or the junior mother?
Baba: Whether it is the flag or the note (currency) or stamp paper of the Muslims, which sign do they show on it? They show the Moon and the star and the senior mother plays the part of Jagdamba. Jagdamba herself becomes Mahakali as well. When she becomes Mahakali, then what is shown on her forehead? The Moon is shown. So, does Mahakali play her part of destruction through the *swadharmi*[2] souls or through the *vidharmi*[3] souls? (Students: *vidharmi* souls.) So, what are all these people of Islam, the Buddhists, the Christians, etc.? They are the *vidharmi* souls. This is why they give special importance to the star in those religions. They show a star. The story of the truthful King Harishchandra pertains to which age? It is believed in the scriptures that the rule of King Harishchandra was prevalent in the beginning of the Golden Age. The truthful King Harishchandra. Call him truthful King Harishchandra or call it the story of the true Narayana. So, the special star, the one who sides with him has been named Taramati. Whose part is it? It is the part of the senior mother.

समय 23.01–23.55
जिज्ञासुः बाबा, हनुमान को बाल ब्रह्मचारी कहा गया है उसको काम विकार की पूँछड़ी लगाई गई क्यों?
बाबाः काम विकार की पूँछ कौनसे युग में बढ़ जाती? (किसी ने कुछ कहा।) बढ़ जाती है? द्वापर में होती तो है, लेकिन उस समय विकार सतोप्रधान स्टेज में होते हैं, या तमोप्रधान स्टेज

[2]Righteous religion
[3] Those whose beliefs and practices are opposite to that set by the Father

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

में होते हैं? लंबी पूँछ होती है या पूँछ छोटीसी होती है बच्चे के रुप में? पहले तो महात्मा होगी ना। बच्चा क्या कहा जाता है? सतोप्रधान महात्मा। फिर जब कलियुग शुरु होता है तो सीढ़ी के चित्र में किसको दिखाया है? हनुमान और गणेश को दिखाया है। तो लंबी पूँछ हो जाती है। तो वो ही राम कृष्ण की आत्मायें कहो, अथवा उनके फाँलोअर्स कहो वो ही कलियुग के शुरुआत में हनुमान और गणेश के रुप में दिखाये जाते हैं।

Time: 23.01-23.55
Student: Baba, Hanuman is called *Baal Brahmacaari* (celibate by birth); then why has he been shown to have the tail of the vice of lust?
Baba: In which age doe the tail of the vice of lust becomes longer? (Someone said something.) It becomes longer? It does exist in the Copper Age, but at that time are the vices in a *satopradhan* stage or a *tamopradhan* stage? Is the tail long or small in the form of a child? Initially, he will be a *mahatma* (great soul), won't he? What is a child called? *Satopradhan mahatma*. Then, when the Iron Age begins, who is shown in the picture of the Ladder? Hanuman and Ganesh have been shown. So, the tail becomes long. So, the same souls of Ram and Krishna or their followers are shown as Hanuman and Ganesh in the beginning of the Iron Age.

समय 27.10–30.28
जिज्ञासुः बाबा, कुरुक्षेत्र है जो शहर मिट्टी का रंग लाल है। उसके आस पास के इलाके की मिट्टी लाल है। इसका कारण क्या है?
बाबाः वो तो शास्त्रकारों ने यहाँ की संगमयुग की यादगार चीजें जो हैं वो छाँट2 करके वहाँ से उठा ली हैं। जैसे द्रौपदी कुण्ड बनाया, तो जहाँ देखा गड्ढा गहरा है कम्पिल में वहाँ उन्होंने कुण्ड बना दिया। नाम दे दिया है द्रौपदी कुण्ड। उन्होंने समझ लिया कि वहाँ कोई स्थूल यज्ञ हुआ होगा और उसमें से दृष्टद्युम्न और द्रौपदी को जन्म लेते हुये दिखा दिया शास्त्रों में। एक स्थान बना दिया। ऐसे ही लंका में जो समुद्र का सेतु दिखाया है वो भी उन्होंने जहाँ2 ऊँचा स्थान देखा वहाँ उन्होंने समझ लिया कि यहाँ कोई सेतु तैयार किया। ऐसा कुछ हुआ थोड़े ही।

Time: 27.10-30.28
Student: Baba, the colour of the soil of the city of Kurukshetra is red. The soil in its adjoining area is red. What is its reason?
Baba: The writers of the scriptures have picked up memorials of here, the Confluence Age. For example, when they built the Draupadi Kund, they saw a deep pit in Kampil and built a Kund there. They named it Draupadi Kund. They thought a physical *yagya* must have been organized there and they showed Drishtadyumna and Draupadi being born from that in the scriptures. They designated a place. Similarly, as regards the bridge shown on the ocean in Lanka, wherever they saw a raised surface [in ocean], they thought that a bridge must have been built there. No such thing has happened.

जहाँ की लाल मिट्टी देखी तो उन्होंने कहा यहाँ खून बहुत बहा होगा दुनियां का। बस, वहाँ उन्होंने...। क्या लाल मिट्टी दक्षिण भारत में नहीं होती है? लाल मिट्टी दक्षिण भारत में भी होती है। काली मिट्टी महाराष्ट्र में भी होती है। मध्य प्रदेश में भी होती है। इसका मतलब ये नहीं है कि वहाँ खून की नदी बही थी। इसलिए लाल मिट्टी हो गई। ये तो ऑलरेडी प्राकृतिक रुप से ऐसी चीजें बनी हुई थी बाद में उन्होंने शास्त्र बना दिया। और लोगों ने विश्वास कर लिया कि ऐसा हुआ होगा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Wherever they saw red soil, they said that a lot of blood of [the people] the world must have flowed here. That is all, there… Doesn't red soil exist in south India? There is red soil in south India as well. There is black soil in Maharashtra as well. It exists in Madhya Pradesh as well. It does not mean that a river of blood must have flown there. This is why the soil became red. These things had already existed in a natural way. Later on they made the scriptures and people believed that such thing must have happened.

ऐसे नहीं है कि कुरुक्षेत्र इतने छोटे से मैदान में महाभारी महाभारत युद्ध हुआ था जिसमें 5 सौ करोड़ स्वाहा हो गये थे। 5 सौ करोड़ की दुनियां तो सारी दुनियां में फैली हुई है। वहाँ तो हाथियों की, घोड़ों की, और खच्चरों की जितनी संख्या बताई गई वही सब कुछ मिल करके 5 सौ करोड़ हो रही है। मनुष्य कैसे कुरुक्षेत्र के मैदान में आ जावेंगे? 18 अक्षोणि। 18 अक्षोणि संख्या ही 5 सौ करोड़ हो जाती है। जिनमें कोई जानवरों मिसल थे, हाथी मिसल थे, घोड़े मिसल थे, खच्चर मिसल थे।
जिज्ञासुः भारत की आबादी 500 करोड़ तक बढ़ेगी या 700 करोड़?
बाबाः 5 सौ करोड़ मनुष्य होते हैं। मनु की औलाद। जिनको मन होता है, मन से चिंतन करते हैं। 2 सौ करोड़ तो ऐसे हैं जैसे कीड़े मकोड़े । क्या? आये, जन्म लिया, और खलास हो गये, वो मनन चिंतन मंथन करने का उनको मौका ही नहीं है जैसे। जैसे रात में पतंगे पैदा होते हैं और सबेरे को खलास हो जाते हैं। उनको कहेंगे कि वो मनन चिंतन मंथन करने वाली आत्मायें हैं? इसलिए उनको मनुष्य नहीं कहा जाता। मनुष्यों की संख्या कितनी जोड़ी? 5 सौ, साढ़े 5 सौ करोड़। ऐसे मुरली में बताया है 7 सौ, साढ़े 7 सौ करोड़ भी हैं लेकिन वो वास्तव में मनन चिंतन मंथन करने वाले की औलाद नहीं हैं। मनु की औलाद नहीं हैं।

It is not that the fierce massive war of Mahabharata had taken place in such a small ground of Kurukshetra in which 500 *crore* (5 billion) were killed. 500 *crore* are spread all over the world. There (i.e. in the Mahabharata epic) the total number of elephants, horses, mules itself comes to 500 *crore*. How can [so many] human beings be accommodated in the ground of Kurukshetra? 18 *akshauhini*. The number 18 *akshauhini* itself is equivalent to 500 *crore* among whom some were like animals; some were like elephants, like horses [and] like mules.
Student: Will the population of India increase till 500 *crore* or 700 *crore*?
Baba: There are 500 *crore* human beings (*manushya*). The children of Manu, who have a mind, who think through their mind. 200 *crore* are like insects and spiders. What? They come, they are born and perish. It is as if they do not have the chance to think and churn at all. For example, moths are born in the night and perish in the morning. Will they be said to be the souls which think and churn? This is why they are not called human beings. What is the number of human beings calculated? 500- 550 *crore*. As such it has been said in the murli that there are 700, 750 *crore* as well, but actually they are not the children of the one who thinks and churns. They are not the children of Manu.

समय 30.36–31.45
जिज्ञासुः बाबा, कौनसी मनुष्य आत्मा शरीर छोड़ने के बाद भटकती है, और कौनसी शरीर छोड़ने के बाद शरीर मिल जाता?
बाबाः जो आत्मायें बेसिक तक ही रह जाती हैं। शरीर रहते2 सिर्फ बेसिक नालेज तक ही प्राप्त कर पाती हैं। बाप के प्रैक्टिकल पार्ट को पहचान नहीं पाती हैं। वो आत्मायें शरीर छोड़ने के बाद दूसरों में प्रवेश करके पार्ट बजाती रहेंगी। और जो पहचान लेती हैं बाप को शरीर रहते2 ही वो एडवान्स में चली जाती हैं। वो दूसरा शरीर लेती हैं। अगर वो खुदा न खास्ता शरीर छोड़ भी दें तो शरीर छोड़ने के बाद दूसरे शरीर से जन्म लेंगी। जन्म लेकर के फिर उनका पूर्व जन्म का पुरुषार्थ अगले जन्म में एड हो जायेगा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 30.43-31.45
Student: Baba, which human soul wanders after leaving its body and which soul gets a body after leaving its body?
Baba: The souls which gain only the basic knowledge. They are able to obtain only the basic knowledge [and] are unable to recognize the Father's practical part when their bodies exist, such souls will play their part by entering others after they leave their bodies and those who recognize the Father during the existence of their body enter the advance [party]. They take up another body. By chance, even if they leave their bodies, they will be born with another body after leaving their own body. After being born their purusharth (spiritual effort) of the previous birth will be added to the next birth.

समयः 32.20 – 32.55
जिज्ञासुः बाबा, आज की मुरली में बोला छोटे बच्चे तो वर्सा ले नहीं सकते।
बाबाः छोटे बच्चों को ये कहा कि अगर अभी शरीर छोड़ेंगे तो 5–7 साल तो पुरूषार्थ कर ही नहीं सकेंगे। तो वो टाइम उनका वेस्ट चला जावेगा ना। टाइम बरबाद हो गया, पीछे चले गए। इसलिए इस समय के शरीर की बहुत वेल्यु है। पुरूषार्थ की बहुत वेल्यु है। बाद में तो प्रत्यक्षता हो जाएगी तो फिर बाद में कोई पुरूषार्थ की वेल्यु नहीं रहती है। अमृतवेला ही जैसे खतम हो गया। सूर्य निकल गया, सूर्य उद्य हो गया।

Time: 32.20 - 32.55
Student: Baba, it was said in today's murli: small children don't obtain the inheritance.
Baba: Yes, it was said about small children that if they leave their body now, they won't be able to make *purusharth* (spiritual effort) till 5-7 years [after being born] at all. So, that time of theirs will go waste, won't it? Their time is wasted, so they remained behind. This is why the body of this time is very valuable. There is a lot of value of *purusharth*. Later on, the revelation will take place after that there remains no value of *purusharth*. It is as if the *amritvela* itself has ended, the Sun has risen. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समय 35.29– 36.54
जिज्ञासुः वास्तु शास्त्र और ज्योतिष का महत्व है जीवन में?
बाबाः ज्योतिष या वास्तु अगर महत्व है ये कहा जाय...। और वास्तु पहले इतना ज्यादा नहीं चलता था, जितना अभी आजकल चल रहा है। तो विनाश होगा या नहीं होगा?
जिज्ञासुः विनाश तो होगा।
बाबाः ये सारे मकान गिरेंगे कि नहीं गिरेंगे?
जिज्ञासुः गिरेंगे।
बाबाः तो महत्व है कि नहीं? बताओ।
जिज्ञासुः महत्व तो नहीं है।
बाबाः महत्व तो नहीं है तो बात ही खत्म करो फिर । मनुष्य ने जो कुछ रचा वो सब विनाशी, और भगवान जो कुछ रचता है वो है अविनाशी। ये वास्तु है, ये ज्योतिष है या दुनियां की कोई भी और ज्ञान है, ये विद्यायें है वो सब विनाशी हैं। ईश्वर जो सुनाता है वो ही सत्य है। इसलिए ये वास्तु आस्तु के ऊपर कोई भी विश्वास करने की दरकार ही नहीं है। वास्तु शास्त्र वाले बहुत नाराज होने लगेंगे। जाके ब्रह्माकुमारियों से मिल जायेंगे।
जिज्ञासुः वास्तु वाले बोलते हैं कि नटराज की जो मूर्ति है उसको पीछे रखो।
बाबाः उसको पीछे रखो। उसको सामने नहीं रखो। नहीं तो विनाश कर देगी।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 35.29 -36.54
Student: Is there any importance of architecture (as a science) (*vaastushastra*) and astrology (*jyotish*) in our life?
Baba: If it is said there is an importance of *jyotish* or *vastu* - and *vaastu* was not as popular as it is today - so, will destruction take place or not?
Student: Destruction will take place.
Baba: Will all these buildings crash or not?
Student: They will crash.
Baba: So, is there any importance of it or not? Tell [Me].
Student: There is no importance.
Baba: There is no importance; then end this topic. Whatever human being has created is destructible and whatever God creates is indestructible. Whether it is *vastu*, *jyotish,* any other knowledge or art of the world; all that is destructible. Whatever God narrates, that itself is truth. This is why there is no need to believe in this *vastu*, etc. at all. Those who believe in *vastushastra* will become very upset. They will join hands with the Brahmakumaris☺.
Student: Those who follow *vastu* tell [people] to keep the idol of Natraj behind.
Baba: [They say:] keep it behind; do not keep it in the front. Otherwise, it will do destruction.

समय 37.05–39.39
जिज्ञासुः बाबा, गुरुनानक देव वाली आत्मा यहाँ पढ़ाई पढ़ रही है?
बाबाः क्यों? वो पढ़ाई पढ़ने योग्य नहीं है क्या?
जिज्ञासुः है।
बाबाः फिर? उसकी बीजरुप आत्मा पढ़ाई पढ़ने योग्य नहीं है? उसकी आधारमूर्त आत्मा पढ़ाई पढ़ने योग्य नहीं है? है। हाँ, जो ऊपर से आनेवाली गुरुनानक की आत्मा है वो तो उसका शरीर ही नहीं होता। शरीर किसका होता है? जो ऊपर से आत्मा आती है उसका शरीर होता है या जो देवी देवता सनातन धर्म से जन्म लेते2 आई है उसका शरीर होता है? जो जन्म लेते2 आई है उसका शरीर होता है तो नाम शरीर का पड़ता है, या आत्मा का पड़ता है? शरीर का ही नाम पड़ता है। तो जो शरीरधारी आत्मा जिस शरीर के ऊपर नाम पड़ा गुरुनानक वो तो हम ब्राह्मणों के बीच में कहीं बैठी होगी।

Time: 37.05 -39.39
Student: Baba, is the soul of Guru Nanak Dev studying the knowledge here?
Baba: Why? Is it not capable of studying the knowledge?
Student: it is.
Baba: Then? Is its seed form soul not capable of studying? Is its root like soul (*aadhaarmoort aatma*) not capable of studying the knowledge? It is. Yes, the soul of Guru Nanak which comes from above does not have a body at all. To whom does the body belong? Does the body belong to the soul that comes from above or to the soul that has been born birth after birth in the Ancient Deity religion? The body belongs to the soul that has been born birth after birth; so, does the body get the name or does the soul get the name? The body itself gets the name. So, the soul of the bodily being, whose body was named Guru Nanak must be sitting somewhere among us Brahmins.

जिज्ञासुः बाबा, गुरुनानक की आत्मा तो ऊपर से आकर प्रवेश करती है।
बाबाः हाँ, प्रवेश करती है।
जिज्ञासुः गुरू नानक की आत्मा जो ऊपर से आकर नीचे प्रवेश करती है आधारमूर्त में उसका नाम क्या है?
बाबाः उसका नाम कुछ और होगा पहले।
जिज्ञासुः नानक ही है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः नहीं। उसका सही नाम पहले कुछ और होता है। बाद में जब सोल प्रवेश करती है तो नाम बदल जाता है। उसमें सिर्फ क्राईस्ट के बारे में मिलती है कि पहले नाम उनका था जीसस। और जीसस का नाम बदल गया जब आत्मा ने प्रवेश किया तो क्राईस्ट नाम हो गया। सिद्धार्थ। पहले नाम था सिद्धार्थ और जब प्रवेश किया तो नाम हो गया महात्मा बुद्ध। सबका नहीं पता चल रहा है सही2।
जिज्ञासुः जब वो प्रसिद्धि को पाती है तो नाम चेंज हो जाता है।
बाबाः हाँ, प्रसिद्ध को... अभी भी पहले नाम था नरेन्द्र। जब प्रवेश किया आत्मा ने तो नाम हो गया विवेकानन्द। आचार्य रजनीश, ये भी पहले साधारण लेक्चरर थे। नाम कुछ और था। सोल ने प्रवेश किया तो रजनीश नाम हो गया।

Student: Baba, the soul of Guru Nanak comes from above and enters.
Baba: Yes, it enters.
Student: What is the name of the root like soul whom the soul of Guru Nanak enters after coming from above?
Baba: It must have had some other name earlier.
Student: His name was Nanak itself.
Baba: No. Its original name is something else earlier. Later on, the name changes when the soul enters. It is known only about Christ that earlier his name was Jesus and when the soul entered the name of Jesus changed to Christ. Siddharth. Initially, the name was Siddharth and when [the soul] entered, the name changed to Mahatma Buddha. Everybody's name is not known accurately.
Student: When he becomes famous, the name changes.
Baba: Yes, when it [becomes] famous… It is same even now, earlier the name was Narendra. When the soul entered, the name changed to Vivekanand. Acharya Rajnish was also an ordinary *lecturer*. His name was something else. When the soul entered, his name changed to Rajnish.

समय 41.51–49.09
जिज्ञासुः बाबा, साइन्स वाले बोलते हैं 21, दिसम्बर 2012 को विनाश हो जायेगा।
बाबाः साइन्स वाले सारे ही बोलते हैं?
जिज्ञासुः हद का या बेहद का?
बाबाः हाँ, कोई2 ज्योतिषियों ने ऐसी बात निकाली है। क्या? कोई अफ्रीका का बड़ा ज्योतिषी है जिसका नाम बहुत बाला है पहले समय से। उसने ये बात निकाली है। क्या? कि दिसम्बर..
जिज्ञासुः 2012 में बोला है।
बाबाः 2012 कौनसा महीना? दिसम्बर।
जिज्ञासुः बाबा, ये लिखा हुआ है,
बाबाः (पेपर बाबा पढ़कर के सुना रहे थे) – 4 वर्ष 6 मास बाद दुनियां समाप्त। ये लो शिवबाबा तो झूठा हो गया। शिवबाबा के प्रूफ तो कोई नहीं रखता होगा अपनी जेब में लेकिन मनुष्य गुरुओं के प्रूफ सच्चे हो गये तो देखो हमारे पॉकेट में पड़े हुये है। हैं ना? सच्चे हैं ना?
जिज्ञासुः हैं तो झूठे।
बाबाः क्या प्रूफ है? अच्छा, ये साबित करो ये झूठें हैं।

Time: 41.51-49.09
Student: Baba, the scientists say that the destruction will take place on 21st, December 2012.
Baba: Do all the scientists say so?
Student: [Will it happen] in a limited sense or in an unlimited sense?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes, some astrologers have said so. What? There is a great astrologer of Africa who is very famous from the beginning. He has discovered this. What? That December…
Student: it is said in 2012.
Baba: 2012; which month?
Students: December.
Baba: December? And?
Student: Baba, here it is written [in the newspaper].
Baba: (Baba read out from a newspaper) 'The world will end after 4 years and 6 months'. Look! Shivbaba became a liar☺. Nobody must be keeping the proofs of Shivbaba in his pocket, (Baba is saying ironically :) but the proofs given by human gurus have become true. So, look, they are lying in our pockets. It is so, isn't it? They are true, aren't they?
Student: They are false.
Baba: What is the proof? *Accha*, prove that this is false.

जिज्ञासुः ऐसी भविष्यवाणी तो कई बार हो चुकी थी।
बाबाः नहीं। अब कई बार की बात नहीं हो रही है जो अभी सामने बात है उसकी बात करो कि ये झूठा है। इसका कोई प्रूफ निकालो। हमारे ज्ञान में हर बात का प्रूफ होता है या नहीं होता है? हर बात का प्रूफ है, हर बात का काट है। लेकिन काट उनको समझ में आयेगा जो ज्ञान में चल रहे होंगे। जिन्होंने ज्ञान उठाया होगा, कोर्स लिया होगा एड़वान्स नालेज ली होगी वो ही समझेंगे। दूसरे इस बात को नहीं समझेंगे।

Student: Such predictions have taken place many times.
Baba: No. Now we are not talking about many times. Speak about the thing that is in front of you; bring a proof that this is false. In our knowledge do we have a proof for everything or not? There is a proof for everything. There is an explanation for everything. But the explanation will be understood only by those who follow the [path of] knowledge. Only those who must have taken the knowledge, those who must have taken the course, who must have obtained the advance knowedge will understand it. Others will not understand this.

बाबाः तो पहले तो बात समझने लेने दो इन्होंने क्या2 बोला। इसमें लिखा है मायन केलेंड़र के अनुसार 21 दिसम्बर 2012 कलियुग का आखिरी दिन है। इस दिन पाताल से भूकंप होगा। क्या? पाताल से, जो असुरों की दुनियां है ना। आसुरी दुनियां से जो सबसे नीचे की दुनियां है। ब्राह्मणों की दुनियां में सबसे नीचे की दुनियां कौनसी है?
जिज्ञासुः बेसिक वाले।
बाबाः बेसिक वालों में भी तो कोई इस्लामी हैं, कोई बौद्धी हैं, कोई किश्चियन हैं सब एक जैसे थोड़ेही है। आर्यसमाजी उनमें नास्तिक भी हैं, अर्धनास्तिक भी हैं। हाँ, तो इस दिन पाताल से भूकंप होगा। समुद्र से पानी की लहर उठेगी। पृथ्वी अपना धृव परिवर्तन कर लेगी। पृथ्वी कौन है?
जिज्ञासुः माता।
बाबाः कौन है माता?

Baba: So, let us first understand what all they have said. It is written in this: "As per the Mayan calendar, 21st December, 2012 is the last day of the Iron Age. There will be an earthquake from under the ground on this day." What? From under the ground, which is the world of demons, the demonic world, the lowest world. Which is the lowest world in the world of Brahmins?
Student: Those who follow the basic knowledge.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: No. Even among those who follow the basic knowledge, some are the people of Islam, some are Buddhists, some are Christians; all are not alike. There are Aryasamajis, the atheists are among them as well, there are the half atheists (*ardh nastik*) too. Yes, so, (Baba read out from the newspaper :) "There will be an earthquake from under the ground on this day. Tides will rise from the ocean. The Earth will change its axis." Who is the Earth?
Student: the mother.
Baba: Who is the mother?

जिज्ञासुः जगदम्बा।
बाबाः जगदम्बा। अभी तो नहीं परिवर्तन किया है।
जिज्ञासुः रोज ही परिवर्तन कर रही है।
बाबाः रोज ही कहाँ? अभी बताया है प्रकृति झाड़ू लेके खड़ी हुई है। अभी मारामार कहाँ शुरु किया है, कि शुरु कर दिया है? शुरु तो नहीं किया है। पृथ्वी अपना ध्रुव परिवर्तन कर लेगी। और सूर्य पश्चिम से उगेगा। अरे, दुनियां जानती है कि सूर्य कहाँ डूबा हुआ है? सूर्य पूरब से उगता है, और पश्चिम में डूबता है। अब ब्राह्मणों की दुनियां में एक नई बात निकली है कि पश्चिमी सभ्यता वाले सूर्य को प्रत्यक्ष करते हैं, पश्चिमी सभ्यता में पहले सूर्य उदय होता है, या पूर्वी सभ्यता में सूर्य पहले उदय होता है? (किसीने कुछ कहा।) तो वो टाइम आयेगा। कब? तब आवेगा जब रामायण के 14 साल वनवास के, और महाभारत के 13 साल वनवास के पूरे हो जाये। ब्राह्मणों की दुनियां में वनवास है, या नहीं है? है। कब है? अरे, अव्यक्त वाणी में बोला हुआ था बापदादा दुनियां वालों की नजरों से ओझल हो गये, अव्यक्त हो गये, छीप गये, और बच्चों के सामने प्रत्यक्ष हो गये। बोला या नहीं बोला? तो बापदादा पण्डा गुप्त हो गया, तो पाण्डव भी गुप्त हो गये होंगे कि नहीं हो गये होंगे? पण्डा गुप्त हो गया तो पाण्डव भी गुप्त हो गये। कब से गुप्त हो गये? कब बोला? अरे, 2000 के आस पास अव्यक्त वाणी में बोला है कि नहीं?

Student: Jagdamba.
Baba: Jagdamba. She has not yet changed [her axis], has she?
Student: She is changing [her axis] daily.
Baba: Not daily… Now it has been said that *prakriti* (nature) is standing with broom in her hands. She has not started the destruction yet or has she started it? She has not started it. (Baba read out from the newspaper :) "The Earth will change its axis and the Sun will rise from the West☺." *Arey*, does the world know where the Sun has set? The Sun rises from the East and sets in the West. Now a new topic has emerged in the world of Brahmins that those who belong to the Western Civilization reveal the Sun; does the Sun rise in the Western Civilization first or does it rise in the Eastern Civilization first? (Someone said something.) So, that time will come. When? It will come when the 14 years of forest life (*vanvaas*) of Ramayana and 13 years of *vanvaas* of Mahabharata will be over. Is there *vanvaas* in the world of Brahmins or not?
Student: There is.
Baba: When is it? *Arey*, it was said in the avyakta vani that Bapdada vanished; he became unmanifest (*avyakt*), hid in the eyes of the people of the world and was revealed in front of the children. Was it said so or not? So, whn Bapdada, the *Panda* became hidden; so, would the Pandavas have also become hidden or not? When the *Panda* (guide) became hidden, the Pandavas also became hidden. Since when did they become hidden? When was this said? *Arey*, was it said in the avyakt vani around the year 2000 or not?

जिज्ञासुः 98 में बोला है।
बाबाः हाँ, तो 98 से ये टाइम शुरु होता है जबकि बाप गुप्त हो गया। बापदादा जो प्रैक्टिकल पार्ट बजाने वाले है वो दुनियां वालों के नजरों से गुप्त हो गया। पहले जानते थे कि यहाँ

रहता है, ये एड्रस है। यहाँ पकड़ा जावेगा यहाँ घेराव ड़ाल दो। फिर बाद में? बाद में गुप्त हो गये। तो कितने साल हुये? 14 साल पूरे हो जाते हैं। 2012 आ जाता है। तो धृव परिवर्तन होना चाहिए पृथ्वी का कि नहीं? बाबा कहते हैं कि बैल जब थक जाता है सींग पर पृथ्वी लिये2, तो यूँ करके चेन्ज कर देता है सींग को। लेफ्ट को उठाके राइट में कर देता है। तो अब समझ में आया कि नहीं ये बात झूठी है कि सच्ची है? (किसीने कुछ कहा।) झूठी है? सच्ची बात है या झूठी बात है? सच्ची बात है, कोई गलत बात तो उसने लिखी नहीं। लेकिन बेहद में उसका अर्थ वो समझेगा तब जब आकर के एड़वान्स ज्ञान तक वो आत्मायें पहुँचे तो बुद्धि में बात बैठेगी। कि ये 12 साल पूरे होने पर कैसे पृथ्वी अपनी धुरी को चेंज करेगी। कैसे पश्चिमी सभ्यता से ज्ञान सूर्य उदय होगा।

Student: It was said in 98.
Baba: Yes; so this time begins from 98, when the Father became hidden. Bapdada, who plays a practical part, became hidden in the eyes of the people of the world. Earlier [people] knew that he stays here, this is the address. He will be caught here; surround him here. Then later on? Later on he became hidden. So, how many years have passed? [When] 14 years are over, the year 2012 begins. So, should the Earth change its axis or not? Baba says: when the bull becomes tired while carrying the Earth on his [one] horn, then he changes the horn like this. He lifts [it from] the left (horn) and places it on the right (horn). So, did you understand now or not that is this topic false or true? (Someone said something.) Is it false? Is it true or false? It is true; he has not written anything wrong. But he will understand the unlimited meaning when those souls come and reach (take) the advance knowledge, then the topic will sit in the intellect: how the Earth will change its axis after these 12 years are over [and] how the Sun of knowledge will rise from the Western Civilization? ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समय 49.55–53.14
जिज्ञासुः बाबा, काम धंधा करना चाहिए या नहीं?
बाबाः माना क्या भीख माँगना चाहिए?
जिज्ञासू : काम धंधा करते झूठ भी बोलना पड़ता है ना।
बाबाः पेट भरेंगे कि नहीं भरेंगे? जो अपना पेट ही न भर सके, भीख माँगना शुरु कर दे तो माँगने से मरना भला। उससे तो अच्छे रहेंगे कि नहीं रहेंगे?
जिज्ञासुः कई बार झूठ बोलना पड़ता है।
बाबाः हाँ, तो झूठी दुनियां में रह करके झूठे धंधे करेंगे तो झूठ बोलना पड़ेगा। तो सच्ची दुनियां में रहो ना। तुमको किसने कहा कि तुम झूठी दुनियां में रहो। अभी सच्चा बाप आया हुआ है कि नहीं आया हुआ है? सच्चा धंधा सिखा रहा है या नहीं सिखा रहा है? और गॉरंटी भी दे रहा है। क्या? कि मेरे बच्चे जो मेरी सेवा में रहेंगे वो भूख नहीं मर सकते। चाहे सारी दुनियां भूख मरे, लेकिन मेरे सेवाधारी बच्चे भूख नहीं मरेंगे। इतनी परफेक्ट, इतनी दृढ़ता से बाबा बोल रहा है। फिर झूठा धंधा करने की जरुरत है?
जिज्ञासुः नहीं।
बाबाः फिर?

Time: 49.55-53.14
Student: Baba, should we pursue any job or business or not?
Baba: Does it mean that we should beg?
Student: We even have to speak lies while doing job or business, don't we?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Will you fill up your stomach or not? Those who cannot fill their stomach itself and start begging; then it is better to die than to beg. Will you not be better than that [if you do a job]?
Student: Many times we have to speak lies.
Baba: Yes, when you do false businesses while living in a false world you will have to speak lies. So, do live in a true world, will you not? Who asked you to live in a false world? Has the true Father come now or not? Is He teaching true business or not? And He is giving a guarantee as well. What? That my children, who will remain in my service, cannot die of hunger. Even if the entire world dies of hunger, my *sevadhari* children will not die of hunger. Baba is speaking so perfectly, so firmly. Then is there any need to do false business?
Student: No.
Baba: Then?

जिज्ञासु : जैसे बजार से सामान लेके आते हैं कोई सामान बेचते हैं तो बोलना पड़ता है कि..
बाबाः तो तुम सच्चे रतन का सामान बेचो ना।
जिज्ञासुः नौकरी तो नहीं है कहीं।
बाबाः नौकरी नहीं है? तो जो सच्चे रतन बेचने वाले क्या ब्राह्मण है नहीं? कोई ऐसे ब्राह्मण हैं कि नहीं ब्राह्मणों की दुनियां में जो झूठे रतन छोड़ दिये जिन्होंने। झूठे धंधे छोड़ दिये। क्या पकड़ लिया? सच्चे रतनों का धंधा पकड़ लिया। तो वो जिंदा नहीं रह रहे हैं क्या?
जिज्ञासुः रह रहे हैं।
बाबाः रह रहे हैं फिर क्या बात है?
जिज्ञासुः दिखाई नहीं पड़ता।
बाबाः और तब तक दिखाई नहीं पड़ेगा जब तक ये झूठे धंधे सारे विनाश नहीं हो जायेंगे। सब धंधों में है नुकसान सिवाय एक ईश्वरीय धंधे के। ये ईश्वरीय धंधा ही फलेगा, फूलेगा संसार में। और झूठे धंधे सब खलास हो जावेंगे। अभी थोड़े पनप रहे हैं, तो पकड़ रहे हैं कसके। अरे, जब तक पकड़े रहो तब तक पकड़े रहो किटकिटी बाँधके। बाबा भले कितना भी बोलते रहे क्या बोलते है? सच्चाई की हट्टी एक ही है। आखिरीन हट्टी माने दुकान। जो बाप का धंधा है, बाप की दुकान है वो एक ही है। उस हट्टी पर सबको आना पड़ेगा। जो झूठी हट्टियाँ हैं वो सब त्यागनी पड़ेंगी। एक मजबूरी से त्यागना, और एक खुशी2 से समझ करके त्यागना। प्राप्ति में अंतर होगा या नहीं होगा? प्राप्ति में तो जरुर अंतर होगा।

Student: For example, when we bring something from the market and sell it then we [have to tell lies]…
Baba: Then sell the true gems, will you not?
Student: I don't do a job anywhere.
Baba: You don't have job? So, aren't there Brahmins who sell true gems? Are there such Brahmins or not in the world of Brahmins who have left the false gems and who have left the false businesses? What have they caught hold of? They have caught hold of the business of the true gems. So, are they not living?
Student: they are living.
Baba: They are living, then what is the matter?
Student: They are not visible.
Baba: And they will not be visible until all these false business are destroyed. There is loss in all other businesses except one Divine business. This Divine business alone will prosper in the world. All false businesses will perish. They are prospering a little now; so you are holding it tightly. Arey, you may hold it tightly as long as you wish; however much Baba may say; what does He say? There is only one shop of truth. The ultimate *hatti*, i.e. shop…. the Father's business, the Father's shop is only one. Everyone will have to come to that shop. They will have to renounce all other false shops. One thing is to renounce under compulsion and another

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

thing is to renounce happily after understanding; will there be a difference in the attainments or not? There will certainly be a difference in the attainments.

समय 53.28–54.10
जिज्ञासुः बाबा, सृष्टि किसने बनाई नहीं?
बाबाः प्रकृति ? प्रकृति क्या चीज़ है? जैसे आत्मा बनाई नहीं जाती, ऐसे ही पाँच तत्व बनाये नहीं जाते। वैज्ञानिक लोग भी इस बात को मानते हैं कि ये जो एलिमेंट्स हैं वो अनादि हैं। वो कभी खत्म नहीं होते। एलिमेंट जरुर रहेंगे कोई न कोई रुप में रहेंगे। तो प्रकृति के पाँच तत्व भी अनादि हैं, और आत्मायें भी अनादि हैं। ये सृष्टि भी अनादि है।

Time: 53.28-54.10
Student: Baba, no one has made this creation?
Baba: The nature? What is nature? Just as the soul is not made, similarly the five elements are not made either. Even the scientists accept that the elements are eternal. They never perish. The elements will definitely exist in some form. So, the five elements of the nature as well as the souls are eternal. This creation is also eternal.

समय 54.23–55.19
जिज्ञासुः बाबा, जो एलिमेंट्स हैं 105, और माला 108 की इसका कोई संबंध है?
दूसरा जिज्ञासुः एलिमेंट्स भी 108 हो गए हैं।
पहला जिज्ञासुः एलिमेंट्स का 108 की माला के साथ कोई संबंध है?
बाबाः तो क्या हुआ? अरे, जब आत्माओं के गुण अलग2 हैं। तो एलिमेंट्स में गुण अलग2 नहीं होंगे?
दूसरा जिज्ञासुः बाबा, अब एलिमेंट्स भी 108 हो गए हैं। हाँ2, मूल रुप में तो 5 ही एलिमेंट्स समझते थे। अभी वैज्ञानिकों ने बाल में से खाल निकाल2 के कितने कर दिये? 108 कर दिये। पहले हम थोड़ेही समझते थे कि सारी सृष्टि की बीजरुप आत्मायें 108 ही होती है। ये तो बाबा ने आके बताया तो बुद्धि में ये बात बैठ गई कि 108 ही बीज ऐसे हैं जिनसे सारी दुनियां तैयार होती है।

Time: 54.23-55.19
Student: Baba, is there any connection between the 105 elements and the rosary of 108? (Another student: Baba, now elements have also become 108.) Is there any connection between the elements and the rosary of 108?
Baba: So, what? *Arey*, when the virtues of souls are different, will the features of elements not be different?
Another student: Baba, now elements have also become 108.
Baba: Yes, originally there were only five elements. Now the scientists have gone into depth, and discovered how many? They made it 108. Earlier we did not realize that the seed-form souls of the entire world are only 108. Now Baba has come and told us; then this subject has entered in our intellect that there are only 108 such seeds through whom the entire world is created.

समय 55.33–58.07
जिज्ञासुः बाबा, यज्ञ के आदि में राधा बच्ची और सेवकराम का कोई लौकिक संबंध था ?
बाबाः ये थे कहाँ के? सेवकराम और राधा बच्ची कहाँ के थे? कलकत्ता के थे ना। तो जहाँ कलकत्ते के थे तो कलकत्ते में शुरुआत हुई ना। शुरुआत कहेंगे या अंत कहेंगे? शुरुआत भी था तो अंत भी था। आदि सो अंत। ब्रह्मा की नाभि से विष्णु निकला, विष्णु की नाभि से ब्रह्मा निकला। तो ये कहाँ की बात है? माना सन् 36 में कोई आत्मायें तो ऐसी होंगी दो जिनके

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

संस्कार, स्वभाव आपस में मिलते जुलते हों। कभी आपस में टकराव न होता हो। वो कौन आत्मायें थी? आप कहेंगे यशोदा माता और ब्रह्माबाबा। कहेंगे ना।
जिज्ञासुः नहीं कहेंगे।
बाबाः क्यों? क्यों नहीं कहेंगे?
जिज्ञासुः यशोदा माता चलती नहीं थी ज्ञान में।
बाबाः नहीं, यहाँ आके माउन्ट आबू में शरीर छोड़ा।
जिज्ञासुः शरीर छोड़ा है, मुरली सुनती नहीं थी।

Time: 55.30-58.07
Student: Baba, was there any *lokik* relationship between Radha *bacci* and Sevakram in the beginning of the *yagya*?
Baba: They belonged to which place? Sevakram and Radha *bacci* belonged to which place? They belonged to Calcutta, didn't they? So, they belonged to Calcutta and [the *yagya*] began from Calcutta, did it not? Was it the beginning or the end? It was the beginning as well as the end. As is the beginning so is the end. Vishnu emerged from the navel (*naabhi*) of Brahma; Brahma emerged from the navel of Vishnu. So, this is a topic pertaining to which time? It means that there must be two souls in [19]36 whose *sanskars*, natures match with each other and never clash among themselves. Who were those souls? You will say Yashoda mata and Brahma Baba; will you not?
Student: No, we won't.
Baba: Why? Why will you not say that?
Student: Yashoda mata was not following the path of knowledge?
Baba: No, she left her body here in Mount Abu.
Student: She left her body [in Mt.Abu]; she did not use to listen to murli.

बाबाः माना ये है कि यशोदा माता ने उतना सहयोग नहीं दे पाया ब्रह्मा बाबा का। माना मन में उनके टैन्शन था कि ये ज्ञान सच्चा है या झूठा है? ओमराधे सरस्वती के अंदर वो टेन्शन नहीं था। तो वायब्रेशन में जब टेन्शन नहीं होगा तो आपस में संस्कार मिले हुये थे। इसलिए वो सतयुग में जाके जन्म लेंगी साथ2 ओमराधे मम्मा, और ब्रह्मा बाबा। और यशोदा का जन्म उनके साथ नहीं होगा। ऐसे ही कोई तो आत्मा यज्ञ के आदि में थी, चलो ब्रह्मा बाबा और यशोदा माता तो नहीं थी। फिर कौन थी? जो सतयुग के आदि में भी विष्णु रुप थे, और जब संगमयुग की शुरुआत होती है तो भी विष्णु रुप होते हैं। एक दूसरे की बात काटने वाले नहीं होते हैं। एक दूसरे के कर्मों को काटने वाले नहीं होते हैं वो कौन? वो ही प्रजापिता वो ही यज्ञ माता। वो राधे बच्ची हो गई।

Baba: It means that Yashoda mata was unable to help Brahma Baba to that extent. It means that she had tension in her mind whether this knowledge was true or false. Om Radhey Saraswati did not have that tension in her mind. So, when there was no tension in the vibrations, then the *sanskars* matched with each other. This is why they, i.e. Om Radhey Mamma and Brahma Baba will be born together in the Golden Age. And Yashoda will not be born with him. Similarly there was some soul in the beginning of the *yagya*; ok, it was not Brahma Baba and Yashoda mata. Then who was it? They were the form of Vishnu in the beginning of the Golden Age and even when the Confluence Age begins, they are the form of Vishnu. They do not cut (oppose) each other's versions. They do not cut (oppose) the actions of each other. Who are they? The same Prajapita and the same *yagya mata*. She happens to be Radha *bacci*….(to be continued)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-5

समय 58.20– 1.03.05
जिज्ञासुः बाबा, जब बाप प्रत्यक्ष होगा उस टाइम तक केवल यज्ञ में अष्टदेव को ही बाबा पर निश्चय होगा ना।
बाबाः अष्टदेवों में नम्बरवार नहीं होते है? अष्टदेवों में भी तो नम्बरवार होते हैं। हाँ।
जिज्ञासुः तो इसका मतलब एक जैसे रह जायेगा प्रत्यक्षता तक।
बाबाः यज्ञ के आदि में एक आत्मा एक तरफ, और सारी दुनियां दूसरी तरफ तो अंत में नहीं होगा?
जिज्ञासुः ऐसे होगा तो कुछ हिस्सा तो कोर्ट के द्वारा बाप प्रत्यक्ष होगा। कोर्ट (सिद्ध) करेगा कि मुरली सत्य है, बाप सत्य है।
बाबाः अरे, कोर्ट में भी सत्य और झूठ साबित कौन करेगा? कोर्ट में भी सच्चा और झूठे को साबित कौन करेगा? अपने आप होगा क्या?
जिज्ञासुः नहीं, कोई को करना पड़ेगा।
बाबाः करने वाले कोई होंगे ना। तो वो ही सच्चे हुये। कोर्ट तो आज की हज्जामों की है। कोर्ट को तो अक्ल ही नहीं है। कोर्ट में किसका चित्र दिखाया जाता है? अंधे का चित्र दिखाया जाता है। कोर्ट अंधा है।
जिज्ञासुः तो बाबा, यहाँ तो सुप्रीम सोल भी है जज के अंदर प्रवेश करके जो बोलना हो वा बोल देगा।
बाबाः वो ही ब्रह्मा कुमारियों वाली बात कि दुनियां के जो बड़े2 आदमी है वो ही बाप को प्रत्यक्ष करेंगे।
जिज्ञासुः नहीं बाबा, ये मैं नहीं कह रहा हूँ।
बाबाः और क्या कह रहे हैं?

Time: 58.20 – 1.03.05
Student: Baba, when the Father is revealed, till that time in the yagya, only the eight deities have faith on Baba, won't they?
Baba: Aren't the eight deities numberwise? The eight deities are also numberwise. Yes.
Student: So it means that it will remain alike till the time of revelation.
Baba: In the beginning of the yagya one soul was on one side and the entire world was on the other side; so will it not happen like this in the end?
Student: If it happens like this, then the Father will partially be revealed through the court; the court will [prove] that the murli is true, the Father is true.
Baba: *Arey*, who will prove truth and untruth even in the court? Who will prove the true one and the false one even in the court? Will it happen automatically?
Student: No, someone will have to do it.
Baba: There will be some who will do it, won't there? So, they themselves are the true ones. Today's court is a court of barbers. The court does not have intelligence at all. Whose picture is shown in the court? A blind person's picture is shown. The court is blind.
Student: So Baba, there is the Supreme Soul as well; by entering the judge he can say what He wants to say.
Baba: You are speaking like the Brahmakumaris that the big personalities of the world only they will reveal the Father.
Student: No Baba, I am not telling this.
Baba: What else are you telling?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः जज थोड़े ही प्रत्यक्ष करेगा।
बाबाः सुप्रीम कोर्ट का जज प्रत्यक्ष करेगा, तो जो बच्चे हैं बाप के साधारण वो नहीं प्रत्यक्ष करेंगे।
जिज्ञासुः क्यों नहीं करेंगे?
बाबाः अभी क्या कहा तुमने?
जिज्ञासुः मेरे कहने का भाव ये है कि कोर्ट तक पहुँचेगा।
बाबाः अरे, कोर्ट तक पहुँचेंगे कौन?
जिज्ञासुः हम ही बच्चे पहुँचेंगे।
बाबाः तो फिर हम ही बच्चे हुये ना। हम बच्चों में से ही कोई विशेष बच्चे ऐसे निकलेंगे जो सन शोज फॉदर, और फिर फॉदर शोज सन्स। बाहर के दुनियां की बड़े2 आफीसर और बड़े2 मल्टी मिलियनाइर, बड़े2 पैसे वाले साहूकार वो बाप को प्रत्यक्ष करेंगे क्या? ये तो ब्रह्माकुमार–कुमारियों की धारणा है तथाकथित की। कि दुनियां के बड़े2 आदमियों को ज्ञान में निकाल लो, हाँ, वो प्रत्यक्ष कर देंगे बाप को।
जिज्ञासुः बाप को प्रत्यक्ष करने के बाद ब्राह्मण माऊन्ट आबू में तपस्या करने जायेंगे?
बाबाः अभी नहीं जा रहे हैं? अभी तपस्या करने नहीं जा रहे हैं?
जिज्ञासुः संगठित रूप में।
बाबाः संगठित रुप में अभी नहीं तपस्या कर रहे हैं क्या?
जिज्ञासुः वो अपने ढ़ग से तपस्या कर रहे हैं।
बाबाः अपने ढ़ंग, और पराया ढ़ंग कौनसा होता है? अपन को आत्मा समझ बाप को याद नहीं करते हैं?
जिज्ञासुः करते हैं।
बाबाः तो फिर अपना ढ़ंग पराया ढ़ंग कौनसा?

Student: Judge will not reveal.
Baba: When the judge of the Supreme Court reveals [the Father], the Father's ordinary children will not reveal the Father.
Student: Why not?
Baba: What did you say just now?
Student: I mean to say that this will reach the court.
Baba: *Arey*, who will reach the court?
Student: We children will only reach the court.
Baba: Then it is we children only. Some special children will emerge among us children only who will follow 'son shows father and then father shows son' / who will be the sons who show the Father and then the Father shows the sons. Will the big officers, big multimillionaires, big prosperous persons of the outside world reveal the Father? This is the belief of the so-called Brahmakumar-kumaris: if you bring the big personalities of the world in knowledge, they will reveal the Father.
Student: Baba, after revealing the Father the Brahmins will go to Mount Abu to do *tapasya*.
Baba: Are they not going now? Are they not going there to do *tapasya*?
Student: No, I mean in the collective form.
Baba: Are they not doing tapasya collectively?
Student: They are doing *tapasya* in their own way.
Baba: What is our own way and an alien way? Do they not consider themselves to be souls and remember the Father?
Student: They do.
Baba: So, then what is our way and alien way?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः निराकार ज्योति बिंदु को,
बाबाः ...। हाँ, निराकार...कौन?
जिज्ञासुः वो जो माउन्ट आबू में बैठे हैं।
बाबाः अभी क्या माउन्ट आबू में एड़वान्स वाले नहीं बैठे हुये हैं?
जिज्ञासुः बैठे हैं
बाबाः तो फिर? नम्बरवार हैं, कोई पहले प्रयास करते हैं, कोई बाद में प्रयास करेंगे। (किसी ने कुछ कहा।) क्या कहा? कोई की बुद्धि में पहले बैठेगा, कोई की बुद्धि में बाद में बैठेगा। कोई की बुद्धि में ये पक्का सच्चा बैठ जाता है बुद्धि में कि साकार परमधाम कोई सृष्टि पर ही होगा। और इसी दुनियां में साकार परमधाम होगा। और उसमें नम्बरवार आत्मायें पहुँचेंगी। पहुँचेगी या नहीं पहुँचेंगी? तो पहले से प्रयास करना शुरु कर दिया किन्होंने प्रैक्टिकल में, प्योरिटी की पॉवर ज्यादा होगी, तो पहले से प्रयास करेंगे, प्योरिटी की पॉवर कम होगी तो प्रैक्टिकल में उतना प्रयास पहले से नहीं करेंगे। इसके लिए ये भी जरुरी नहीं है, कि जिनके पास पैसा होगा वो ही प्रयास करेंगे। पैसे वाले भी पहुँच रहे हैं, और जिनके पास पैसे नहीं है वो भी वहाँ पहुँच रहे हैं। आखिर करना तो बच्चों को ही है, या करा कराया सब कुछ मिल जायेगा? करना तो पड़ेगा। और पाण्डव गुप्त होकर के घूमते थे। वो बात पहले माउन्ट आबू में साबित होगी कि दुनियां में साबित होगी? तब बात है। जैसे 32 दाँतों के बीच में जीभ रहती है। ऐसे रहके दिखाओ। सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपनी मस्ती में रहता है। ऐसे मस्ती में रह के चाल चलके, और वाचा चलाके देखो। एक भी वाचा थोड़ी उलट पुलट निकल गई और पकड़े जाते हैं।

Student: [They remember] the incorporeal point of light.
Baba: Yes, [They remember] the incorporeal … Who?
Student: Those who are sitting in Mount Abu.
Baba: Aren't those who follow the advance knowledge sitting in Mount Abu now?
Student: They are sitting.
Baba: Then? They are numberwise; some try first and some will try later. (Someone said something.) What did you say? It will sit in the intellect of some first and in the intellect of some later on. It sits truly in the intellect of some that there will be a corporeal Supreme Abode in this world itself. And the corporeal Supreme Abode will be in this world itself. And the souls will reach there numberwise. Will they reach or not? So, some have started making efforts in practice beforehand. If they have more *power* of *purity*, they will try in advance and if they have less *power* of *purity* then they will not try that much in *practical* well before. It is not necessary for this that only those who have money will try. Wealthy people are reaching as well as those who do not have money are reaching there. Ultimately, is it the children who have to do or will they get everything readymade? They will certainly have to do. And Pandavas used to roam being incognito. Will that be proved first in Mount Abu or will it be proved first in the world? It is something great then (if it happens in Mount Abu). Live like the tongue lives in between 32 teeth. One swan lives in its intoxication amidst hundred herons. Live like this in intoxication, walk in this way and speak like this. Even if one word is spoken inappropriately, you will be caught. (concluded)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info